महामहिम राज्यपाल श्री राम नरेश यादव का पटेल ग्रुप आफ इन्स्टीट्यूशन्स के इनसिगनिया वार्षिक उत्सव कार्यक्रम में उद्बोधन

स्थान:- भोपाल, दिनांक :- 28 फरवरी, 2013 समय :- शाम 5-30 बजे

पटेल ग्रुप आफ इन्स्टीट्यूशन्स द्वारा आयोजित सांस्कृतिक महोत्सव "इनसिगनिया में उपस्थित होकर मुझे बहुत प्रसन्नता हो रही है। मैं इस अवसर पर छात्र-छात्राओं, विशेषकर उन भागीदारों को जिनको पुरस्कार प्रदान किये गये हैं बधाई देना चाहता हूं। इसके साथ ही इन्स्टीट्यूशन्स से जुड़े सभी पदाधिकारियों और शिक्षकों को बधाई और शुभकामनाएं देता हूं।

हमारे देश की संस्कृति "अनेकता में एकता'' पूरे विश्व में प्रसिद्ध है। महाविद्यालयों में इस प्रकार के कार्यक्रमों के आयोजन से छात्रों और अभिभावकों को शिक्षकों से परस्पर मेल मिलाप और आपसी समन्वय का अवसर प्राप्त होता है। वहीं वर्ष भर कठिन परिश्रम और अध्ययन करते रहने से छात्र मानसिक और शारीरिक रूप से तनावग्रस्त हो जाते हैं इस प्रकार के कार्यक्रम के आयोजन तथा इनमें भाग लेने से उन्हें राहत मिलती है।

महाविद्यालयों में अच्छी शिक्षा देने के साथ सांस्कृतिक गतिविधियों से, सर्वगुण सम्पन्न पीढ़ी का निर्माण होता है। इसके साथ ही शिक्षा अध्ययन के साथ-साथ विद्यार्थियों को अपने देश प्रदेश और समाज के गौरवशाली इतिहास परम्परा और संस्कृति का समुचित ज्ञान भी मिलता है। छात्रों के ज्ञान के साथ-साथ शिक्षण संस्थाएं उनके सर्वांगीण विकास के लिए भी उत्तरदायी हैं, जिससे वे देश व समाज के विकास में अपनी भागीदारी दे सकें। छात्रों की अभिरूचि का ऑकलन उनके विद्यालयीन शिक्षा से नहीं किया जा सकता, बल्कि उनके अंदर छिपी प्रतिभाओं को बढ़ावा देकर और उसको प्रदर्शित करने का अवसर देकर किया जा सकता है।

ऐसे कार्यक्रम छात्रों के कलात्मक, सांस्कृतिक और तकनीकी अभिरूचि की प्रतिभाओं को प्रोत्साहन के साथ-साथ आपस में सहभागिता की भावना को भी बढ़ावा देते हैं।

मुझे आशा है कि छात्र-छात्राएं केवल प्रदेश में ही नहीं बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी भाग लेकर अपना, अपने परिवार एवं अपने महाविद्यालय का नाम रोशन करेंगे।

मुझे खुशी है कि इस तीन दिवसीय आयोजन में सांस्कृतिक एवं तकनीकी कार्यक्रम के अन्तर्गत रोबोटिक्स, वाद-विवाद, प्रोजेक्ट वर्क, मॉडल निर्माण, तकनीकी ज्ञान एवं संगीत और नृत्य आदि

की प्रतियोगिताएं आयोजित की गई और विजेताओं को लगभग एक लाख रूपये का नगद पुरस्कार दिया गया है। मैं इसके के लिए इन्स्टीट्यूशन्स के पदाधिकारियों को साधुवाद देता हूं और आशा करता हूं कि उनके इस प्रयास से छात्रों का उत्साहवर्धन होगा और उनको आगे और कठिन परिश्रम करने की प्रेरणा मिलेगी।

मैं इस इन्स्टीट्यूशन की चेयरपर्सन, शिक्षकों और छात्र-छात्राओं को एक बार पुन: बधाई देता हूं और कामना करता हूं कि आपकी शिक्षण संस्था इसी प्रकार तरक्की करती रहे और यहां से निकलने वाले बच्चे देश और विदेशों में देश और प्रदेश का नाम रोशन करते रहें।

जय हिंद।